इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भारत सरकार)

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, जयपुर

कारागृह कैदियों के लिए कार्यक्रम

10^{th}/$10+2^{th}$/$10+2+3^{th}$ के बाद शिक्षा के अवसर

एम.ए. (ग्राम विकास) (एम.ए.आर.डी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- ग्रामीण समाज से संबंधित विकास के मुद्दों को समझने में ग्राम विकास विषय का अत्यंत महत्व है। ग्राम विकास में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की पाठ्य सामग्री में ऐसे विभिन्न शैक्षणिक विषयों को शामिल किया गया है जो भारतीय परिप्रेक्ष्य में इस विषय के लिए अतिआवश्यक हैं। विभिन्न सरकारी विभागों/ अभिकरणों गैर-सरकारी संगठनों सहकारी समितियों, बैंकों और अन्य संस्थाओं में कार्यरत कर्मियों के लिए उपयोगी होगा।

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/-, रु. 5,400/- प्रति वर्ष

एम.ए. (अंग्रेजी) (एम.ई.जी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- अंग्रेजी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ई.जी.) कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंग्रेजी तथा अमरीकी साहित्य के साथ-साथ साहित्य के अन्यन, क्षेत्रों जैसे कनाडाई, आस्ट्रेलियाई तथा भारतीय अंग्रेजी साहित्य के बारे में गहरी समझ प्रदान करना है।

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/-, रु. 5,400/- प्रति वर्ष

एम.ए. (हिन्दी) (एम.एच.डी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य के क्षेत्रों में विस्तृत जानकारी और विशेषज्ञतापूर्ण ज्ञान प्रदान करना है जिससे वे साहित्य के आस्वादन और विश्लेषण-मूल्यांकन में दक्षता हासिल कर सकें।

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : हिन्दी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/-; रु. 5,400/- प्रतिवर्ष

एम.ए. (अर्थशास्त्र) (एम.ई.सी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- यह कायक्रंम विद्यार्थियों को अथर्शास्त्र में उच्च अध्ययन का एक विशेष अवसर पद्रान करता है। इस कायक्रंम में अन्य विश्वविद्यालयों में उपलब्ध कोर पाठ्यक्रमों के अलावा, बीमा और वित्त जैसे अर्थशास्त्र के कुछ उभरते क्षेत्रों की विषय वस्तु का भी समावेश है और आशा है कि आर्थिक उदारीकरण और वैश्वीकरण के मौजूदा परिवेश में ये अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे।

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 14,400/-; रु. 7,200/- प्रतिवर्ष

एम.ए. (इतिहास) (एम.ए.एच.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- एम.ए. इतिहास कार्यक्रम में, हमने इतिहास के विषयपरक दृष्टिकोण को अपनाया है और इस संदर्भ में हमने प्राचीन, मध्यकालीन या आधुनिक इतिहास के परंपरागत विशिष्टीकरण तक ही अपने विद्यार्थियों को सीमित नहीं रखा है। हमने कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार बनाई है ताकि इससे विश्व इतिहास के साथ-साथ भारतीय इतिहास में आए बदलावों तथा इस दौर के मुख्य विकासात्मक कार्यों की गहन समझ और ज्ञान प्राप्त हो सके।

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/-; रु. 5,400/- प्रतिवर्ष

एम.ए. (राजनीति विज्ञान) (एम.पी.एस.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.पी.एस) का उद्देश्य, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय, क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक घटनाओं के विस्तृत दायरे में गहन अन्वेषण द्वारा राजनीति अध्ययन में सुदृढ़ आधार प्रदान करना है। कार्यक्रम राजनीति सिद्धांत, तुलनात्मक राजनीति, अंतरराष्ट्रीय संबंध और भारत सरकार तथा राजनीति में विशेषज्ञता प्राप्त करने के विकल्प प्रदान करता है। अध्ययन के पश्चात शिक्षार्थी राजनीतिक विश्लेषण में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे और साथ-साथ अपनी तार्किक और विश्लेषणात्मक योग्यताओं को बेहतर बना सकेंगे

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/-; रु. 5,400/- प्रतिवर्ष

एम.ए. (लोक प्रशासन) (एम.पी.ए.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- लोक प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र और सार्वजनिक तथा निजी अंतराफलक की भूमिका को ध्यान में रखते हुए भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में भारत में लोक प्रशासन की प्रवृत्ति के बारे में व्यापक ज्ञानप्रदान करना है। इसका मुख्य केन्द्र नागरिक समाज के समूहों, मानव संसाधन, ई गवर्नेन्स और लोक प्रणाली प्रबंधन की बढ़ती भूमिका है।

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/-; रु. 5,400/- प्रतिवर्ष

एम.ए. (समाजशास्त्र) (एम.एस.ओ.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- समाजशास्त्र में एम.ए. कार्यक्रम की रचना दूरस्थ और अगम्य क्षेत्रों के विद्यार्थियों सहित, विद्यार्थियों के व्यापक समूह को उच्च समाजशास्त्रीय ज्ञान, दृष्टिकोण और दक्षता प्रदान करने हेतु की गई है। इसकी विषयवस्तु में प्रमुख रूप से सिद्धांतों की शास्त्रीय और उच्च संकल्पनाओं, अनुसंधान प्रणालियों और परिप्रेक्ष्यों, विकास के सामाजिक मुद्दों, भारत में समाजशास्त्र की स्थिति, शिक्षा, संक्रमणकालीन समुदाय, प्रवास, शहरीकरण और समकालीन समाज में उभरते सरोकारों को सामने लाने के लिए जनसमुदाय के सबसे बड़े भाग के विकास के मुद्दों को केन्द्र बिन्दु बनाया गयाहै।

पात्रता : मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष, प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/-; रु. 5,400/- प्रतिवर्ष

एम.ए. (गाँधी और शांति अध्ययन) (एम.जी.पी.एस.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त गांधी शांति अध्ययन, संघर्ष प्रबंधन और सामाजिक पुनर्निर्माण में स्नातकोत्तर स्तर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना। शांति अध्ययन और संघर्ष समाधान के क्षेत्र में गहन जानकारी प्रदान करना और विद्यार्थियों को विकास के गांधीवादी आदर्शों में से किसी एक में विशेषज्ञता प्राप्त करने योग्य बनाना। विद्यार्थियों को एम. फिल./पीएच.डी. स्तर पर सतत उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना। विद्यार्थियों को भावी अनुसंधान, प्रशिक्षण और आर्थिक, सामाजिक, जेंडर, राजनीतिक, पर्यावरण और सतत विकास के मुद्दों पर आजीविका के व्यापक अवसर प्रदान करना। विद्यार्थियों को शोध अध्यापन, शांति स्थापना एवं शांति निर्माण में एन.जी.ओ. आदि में कैरियर आरंभ करने के योग्य बनाना

पात्रता : मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेज़ी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष ; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 10,800/- ; रु. 5,400/- प्रतिवर्ष

स्नातकोत्तर उपाधि वाणिज्य (एम.कॉम.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- यह कार्यक्रम सभी स्तरों पर वाणिज्य शिक्षा में बढ़ती आवश्यकताओं की पूर्ति करता है और वित्त, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय तथा लेखांकन जैसे क्षेत्रों में उद्योग, व्यापार, पी.एस.यू., सरकारी और निजी उद्यमों को आवश्यक जनशक्ति प्रदान करता है।
पात्रता : किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि अथवा उच्चतर उपाधि
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी
अवधि : न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 5 वर्ष ; प्रवेश, जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 13,200/- ; रु. 6,600/- प्रतिवर्ष

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.जी.पी.एस.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- आर्थिक, राजनीतिक, स्थायी एवं पर्यावरण के मुद्दों पर गाँधी के विचारों और चिंतन के बारे में विशेष रूप से युवा लोगों को शिक्षा प्रदान करना। शांति और निर्माण पर कौशल का विकास करना। अंत:विषयक दृष्टिकोणों से शांति की विधियों को विकसित करना। प्रतिभागियों को शांति निर्माण और संघर्ष समाधान में प्रशिक्षित करना। डिप्लोमा धारकों को मीडिया, गैर-सरकारी संगठनों, शिक्षण और अनुसंधान कार्य करने के लिए सक्षम बनाना।
पात्रता : किसी भी विषय में स्नातक
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी
अवधि : न्यूनतम 1 वर्ष और अधिकतम 3 वर्ष ; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 4,200/-

गाँधी और शांति अध्ययन में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र (पी.जी.सी.जी.पी.एस.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- शांति अध्ययन और सामाजिक पुनर्निर्माण की गाँधीवादी संकल्पना को बढ़ावा देना। शांति और अहिंसा पर गाँधी के दृष्टिकोण का प्रचार करना। वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गाँधी की विश्व व्यवस्था की अवधारणा को समझना। अंत:विषयक परिप्रेक्ष्य से शांति और संघर्ष समाधान विकसित करना।
पात्रता : किसी भी विषय से स्नातक
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी
अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष ; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/-

ग्राम विकास में प्रमाणपत्र (सी.आर.डी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- ग्राम विकास का यह कार्यक्रम ग्राम समाज में परिवर्तन को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक कारकों का व्यापक ज्ञान प्रदान करता है। इस पाठ्यक्रम द्वारा ग्राम विकास के महत्वपूर्ण आयामों की व्यापक जानकारी प्रदान की गई है। इसे विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है, जो समय और संसाधनों की कमी के कारण ग्राम विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पूरा करने में असमर्थ हैं, फिर भी, वे अल्पकाल में ही ग्राम विकास का संपूर्ण ज्ञान प्राप्त करना चाहते हैं।
पात्रता : स्नातक उपाधि
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी
अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष ; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/-

कला स्नातक (बीएजी)

विश्वविद्यालय निम्नलिखित विषयों के साथ कला स्नातक की उपाधि प्रदान करता है:

1) नृविज्ञान/मानवविज्ञान	2) अर्थशास्त्र	3) इतिहास	4) राजनीति विज्ञान
5) मनोविज्ञान	6) लोक प्रशासन	7) समाजशास्त्र	8) गणित
9) हिन्दी	10) उर्दू	11) अंग्रेजी	12) संस्कृत

कार्यक्रम के उद्देश्य :- 1. शिक्षार्थियों को मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान विषयों की मुख्य संकल्पनाओं और शीर्षकों से परिचित करवाना, 2. शिक्षार्थियों को उनके विषय के बारे में समझ और उसका विश्लेषण करने के लिए आवश्यक जानकारी और कौशल प्रदान करना, 3. उपयुक्त पाठ्यक्रमों के परिचय के माध्यम से शिक्षार्थियों को योग्यता और कौशल में वृद्धि करने में सक्षम बनाना। 4. स्नातक स्तर पर सत्रीय कार्यों और अभ्यास के माध्यम से पठन और लेखन कौशल प्रदान करना। 5. शिक्षार्थी को अंत:विषय के

महत्व से परिचित करवाना।

पात्रता : 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बीपीपी

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष, प्रवेश वर्ष में एक बार केवल जुलाई प्रवेश सत्र में

शुल्क संरचना : बी.ए.: रुपये 7,200/- पूरे कार्यक्रम के लिए, रू.2,400/- प्रति वर्ष।

वाणिज्य स्नातक (बीकॉम)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यवसाय और वाणिज्य के विभिन्न आयामों की चुनौतियों का सामना करने के लिए शिक्षार्थियों में ज्ञान, कौशलऔर अभिवृत्ति को विकसित करना है। यह कार्यक्रम वाणिज्य के प्रमुख क्षेत्रों में कौशल विकास पर केंद्रित है और शिक्षार्थियों को स्व-रोजगार के साथ-साथ रोजगार की सुविधा प्रदानकरता है।

पात्रता: 10+2 या इसके समकक्ष या इग्नू से बीपीपी

शिक्षा का माध्यम: अंग्रेजी और हिंदी

अवधि: न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 6 वर्ष, प्रवेश केवल जुलाई प्रवेश सत्र में

शुल्क संरचना: रुपये 7,200/- पूरे कार्यक्रम के लिए, रु. 2,400/- प्रति वर्ष भुगतान किया जाएगा

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा (डी.इड्ल्यू.ई.डी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- इस डिप्लोमा कार्यक्रम का उद्देश्य विकास कार्यकर्ताओं को महिलाओं के मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाना और विद्यार्थियों को महिलाओं से संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञ के रूप में काम करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक विशेषज्ञता प्रदान करना है। कार्यक्रम द्वारा विद्यार्थियों को जेंडर मुद्दों से संबंधित कार्य करने में प्रशिक्षक और समुदाय आयोजक के रूप में कार्य करने के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता भी प्रदान की जाएगी। यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों की आवश्यकताओं की भी पूर्ति करेगा जो गैर.सरकारी और सरकारी संगठनों में जेंडर नियोजन और प्रशिक्षण के काममें लगे हुए हैं।

पात्रता : 10+2 या समकक्ष

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम एक वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 3,600/-

आपदा प्रबंधन में प्रमाणपत्र (सी.डी.एम.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- आपदा प्रबंधन के इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आपदा वाले क्षेत्रों में की जाने वाली तैयारी, निवारण, नियंत्रण, राहत, पुनर्निर्माण और पुनर्वास आदि जैसे किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रदान करना है। यह कार्यक्रम एन.जी.ओ. कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों, सेना, अर्द्धसेना, पुलिस, होमगार्डों, सिविल डिफेन्स कार्मिकों, व्यावसायिकों जैसे भू-वैज्ञानिकों, मौसम वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, वनपालों (फारेस्टरों), अग्निशमन कार्मिकों, प्रशासकों, सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों, ग्राम विकास कर्मियों आदि के लिए उपयोगी होगा।

पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम 6 माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/-

उर्दू भाषा में प्रमाणपत्र (सी.यू.एल.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- यह कार्यक्रम मूलत: उन हिंदी और उर्दू बोलने वालों के लिए है, जो सही ढंग से उर्दू भाषा पढ़ना, लिखना और बोलना नहीं जानते हैं। यह आलेख लेखन, उच्चारण कौशल, संप्रेषण और उर्दू गद्य और पद्य की समझ से परिचित कराता है। इससे विद्यार्थी इन क्षेत्रों में क्षमता का विकासकरता है और सामग्री से सामाजिक-सांस्कृतिक जानकारी प्राप्त करता है।

पात्रता : जो भी उर्दू सीखने के इच्छुक हैं।

शिक्षा का माध्यम : द्विभाषी (हिंदी/उर्दू)

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध

शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु.1200/-

पर्यटन अध्ययन में प्रमाणपत्र (सी.टी.एस.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- कार्यक्रम का उददेश्य आपको पर्यटन के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराना, पर्यटन के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना, पर्यटन सवाएं सगठित करने में बुनियादी प्रशिक्षण देना और आजीविका (कैरियर) के अवसर उपलब्ध कराना है।

पात्रता : 10+2 या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी

शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी

अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/-

भोजन एवं पोषण में प्रमाणपत्र (सी.एफ.एन.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- भोजन एवं पोषण में प्रमाणपत्र मूलत: साक्षर लोगों के लिए एक जागरुकता कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम उन लोगों के लिए है, जिन्हें बुनियादीतौर पर पढ़ना-लिखना आता है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को भोजन की भूमिका के साथ-साथ व्यक्ति, परिवार और समुदाय के स्वस्थरहन-सहन की जानकारी देना है। पाठ्यक्रम में भोजन का चयन और उसे बनाना, शैशवास्था से वृद्धावस्था तक पोषण, भोजन का आर्थिकपक्ष, घरेलू बागवानी, खाद्य पदार्थ अपमिश्रण, उपभोक्ता अधिकार, सुरक्षा और शिक्षा आदि जैसी विशेषताएँ शामिल हैं।
पात्रता : कोई औपचारिक योग्यता नहीं, प्रवेश फार्म प्राप्त करने की अंतिम तारीख को न्यूनतम आयु 18 वर्ष।
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, पंजाबी, तमिल और उड़िया।
अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध।
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,400/-

पोषण और शिशु देखभाल में प्रमाणपत्र (सी.एन.सी.सी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- यह कायर्क्रम पाषेण और शिशु विकास दानों से संबंधित सैद्धांतिक आरै व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करता है। यह भाजेन, पोषण और स्वास्थ्य, भोजनकी योजना के सिद्धांतों, पोषण संबंधी विकारों, भोजन का बजट बनाने के सिद्धांतों, भोजन का चयन करने, भोजन भंडारण एवं भोजन परिरक्षणके बारे में बुनियादी समझ प्रदान करता है। यह शिक्षार्थियों को जन्म से लकेर छह महीने की आयु के बच्चों के विकास को समझने, उचित खेल गतिविधियों आरै शिक्षण अनुभवों का आयोजनकर उनके विकास का संवर्धन करने और ईसीसीई केंद्रों की स्थापना करने के सिद्धांतों के प्रति जागरूक करने में सक्षम बनाता है। इस प्रकार के कार्यकर्ता विभिन्न प्रतिष्ठानों जैसे - क्रैच, शालापूर्व स्कूल आंगनवाड़ी और बालवाड़ी में कार्यरत हो सकते हैं।
पात्रता : 10+2 उत्तीर्ण या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी
अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,800/-

मानवाधिकार में प्रमाणपत्र (सी.एच.आर.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- मानवाधिकार में पप्र ाणपत्र कायर्क्रम 2 पाठ्यक्रमों में विभाजित 16 क्रेडिट का एक नवीन शिक्षा पैकेज है। इसे उन व्यावसायिकों और कायर्कर्ताओं को सुग्राही बनाने और शिक्षित करने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है जो अपने रोजमर्रा के कार्य के हिस्से के रूप में प्रतिदिन जनता के संपर्क में आते हैं। सामान्य विद्यार्थियों के अलावा विशिष्ट लक्ष्य समूहों में कानून लागू करने वाले कार्मिक (पुलिस, सेना, अर्द्धसैनिक बल), निम्न न्यायिक पदाधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारी और प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक तथा एन.जी.ओ. के कार्यकर्ता शामिल हैं। पाठ्यक्रम सामग्री तैयार करने में मानवाधिकार शिक्षा के लिए यू.एन. डिकडे आरम्भ करते समय यू.एन. के मानवाधिकार के उच्चायक्त द्वारा व्यक्त सरोकारों पर विशेष ध्यान दिया गया है।
पात्रता : 10वीं उत्तीर्ण या समकक्ष या इग्नू से बी.पी.पी.
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी और हिंदी
अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 2,400/-

मार्गदर्शन में प्रमाणपत्र (सी.आई.जी.)

कार्यक्रम के उद्देश्य :- मार्गदर्शन कार्यक्रम में प्रमाण-पत्र इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) की संयुक्त परियोजना है। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों को निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम बनाएगा :1. शैक्षिक प्रक्रमों के संदर्भ में बाल विकास और व्यष्टिगत भिन्नताओं की समझ विकसित करना। 2. सीखने और सामाजिक-भावनात्मक विकास के लिए प्रारम्भिक स्कूली बच्चों का मार्गदर्शन करने में । 3. विशेष आवश्यकता वाले और समस्याओं से ग्रस्त बच्चों की पहचान करना। 4. बच्चों के चहुंमुखी विकास को बढ़ावा देने के लिए माता-पिता, शिक्षकों और अन्य प्रौढ़ों को अंत:क्षेप नीतियाँ एवं व्यवहार सुझाना। कार्यक्रम में चार-चार क्रेडिट के चार पाठ्यक्रम हैं।
पात्रता : मान्यता प्राप्त संस्थाओं के अध्यापक या मैट्रिकुलेशन/एस.एस.सी. उत्तीर्ण या इग्नू से बी.पी.पी.
शिक्षा का माध्यम : अंग्रेजी, हिंदी और ओड़िया
अवधि : न्यूनतम छह माह और अधिकतम 2 वर्ष; प्रवेश जनवरी और जुलाई दोनों सत्रों में उपलब्ध
शुल्क संरचना : पूरे कार्यक्रम के लिए रु. 1,400/-

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की स्थापना 1985 में संसद के अधिनियम द्वारा निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए की गई।

शिक्षा को विद्यार्थियों के द्वार तक पहुँचाकर उच्च शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करना एवं आयु, क्षेत्र, धर्म और जेन्डर (लिंग) पर विचार किये बिना शिक्षा पाने के इच्छुक सभी को वृत्तिक एवं व्यवसाय मूलक पाठ्यक्रमों द्वारा आवश्यकता आधारित शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करना है।

मुक्त और दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) प्रणाली एक ऐसी प्रणाली है जिसमें शिक्षक व शिक्षार्थियों को एक ही जगह व एक ही समय में उपस्थिति होना अनिवार्य नहीं है। शिक्षा के तौर तरीकों को व शिक्षण के समय के संबंध में पूर्णतया लचीलापन अपनाया गया है। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय पारम्परिक शिक्षा से अधिक सतत् व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता आ रहा है। यह सेवा कर्मियों व सभी के कौशल विकास रोजगार उन्मुख शिक्षा पद्धति हैं।

इग्नू 241 से अधिक तरह के विभिन्न कार्यक्रम एम.फिल., पी.एच.डी. एवं स्नातकोत्तर उपाधि, स्नातक उपाधि, डिप्लोमा व प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिये जनवरी व जुलाई सत्र में प्रवेश देता है। प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाईन माध्यम से होती है।

क्षेत्रीय केन्द्र जयपुर के जेल स्थित इग्नू विशेष अध्ययन केन्द्रों की सूची

क्र.सं	कोड संख्या	अध्ययन केन्द्र का नाम	दूरभाष नं.	ई– मेल
1	2317(D)	केन्द्रीय कारागृह जयपुर , घाटगेट जयपुर – 302003	141-2613851	ignousc2317@gmail.com dgprison-rj@nic.in
2	2388(D)	केन्द्रीय कारागृह अजमेर – 305001	145-2429900	ignousc2388@gmail.com cp.ajmrj@gmail.com
3	23112(D)	महिला सुधार बंदी गृह (महिला जेल) घाटगेट, जयपुर – 313001	141-2610438	ignousc23112@gmail.com mahilajail@gmail.com
4	23122(D)	केन्द्रीय कारागृह कोटा – 324001	744-2323027	ignoussc23122@gmail.com jail-kot-rj@nic.in
5	23123(D)	केन्द्रीय कारागृह भरतपुर – 321001	5644-260282	ignousc23123@gmail.com bprjail@gmail.com
6	23125(D)	केन्द्रीय कारागृह श्रीगंगानगर – 335001	154-2440153	ignousc23125@gmail.com jail-gan-rc@nic.in
7	23126(D)	केन्द्रीय कारागृह झालावाड़ – 326001	7432-238235	ignousc23126@gmail.com jail-jha-rj@nic.in
8	23127(D)	जिला कारागृह भीलवाड़ा – 311001	1482-227922	ignousc23127@gmail.com districtjailbhilwara@gmail.com
9	23128(D)	जिला कारागृह अलवर – 301001	144-2701269	ignousc23128@gmail.com alwarjail@gmail.com
10	23146(D)	जिला कारागृह हनुमानगढ़ – 335512	1552-260715	ignoussc23146@gmail.com Jail-han-rj@nic.in
11	23147(D)	जिला कारागृह करौली – 322241	7464-250355	ignoussc23147@gmail.com jailkr-r@nic.in
12	23148(D)	जिला कारागृह धौलपुर – 328001	5642-220662	ignoussc23148@gmail.com jaildho-r@nic.in
13	23149(D)	जिला कारागृह बाँरा – 325205	7453-230771	ignoussc23149@gmail.com jailbrn-r@nic.in

कारागृह कैदियों के लिये इग्नू के सभी कार्यक्रम निःशुल्क है।

सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को पाठ्यसामग्री इग्नू द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती है।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय, भारत सरकार)

इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, जयपुर

70/79-87, सेक्टर-7, इग्नू पथ, पटेल मार्ग

मानसरोवर, जयपुर - 302020 (राज.) इण्डिया

फोन: 0141-2785730, 2396427

ई-मेल - rcjaipur@ignou.ac.in

बेवसाईट - www.rcjaipur.ignou.ac.in

इग्नू बेवसाईट - www.ignou.ac.in

सम्पादन : डॉ. इन्दू रवि, सहायक क्षेत्रीय निदेशक

डॉ. ममता भाटिया, क्षेत्रीय निदेशक